न्यूज डायरी

दुनियाभर के ऐनिमल मार्केट बंद करने की सिफारिश नहीं कर सकतेः डब्ल्यूएचओ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने यह माना है कि वुहान के ऐनिमल मार्केट की कोरोना फैलने में बड़ी भूमिका रही है, लेकिन उसका साथ ही कहना है कि वह दुनियाभर में ऐसे बाजारों को बंद करने की सिफारिश नहीं करता है। एक प्रेस ब्रीफिंग में डब्ल्यूएचओ के खाद्य सुरक्षा एवं पशु रोग विशेषज्ञ पीटर बेन एम्बारेक ने कहा कि मांसाहारी वस्तुओं के बाजार से दुनियाभर के करोड़ों लोगों को भोजन और आजीविका मिलती है। बेन ने कहा कि अधिकारियों को उन्हें बंद करने के बजाय उनमें सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, भले ही कई बार उनसे इंसानों में महामारियां फैलने का डर रहता है। बेन एम्बारेक ने कहा, श्इस माहौल में खाद्य सुरक्षा कठिन है और इसलिए कई बार बाजारों में ये चीजें हमें देखने को मिलती हैं।

आईईडी धमाके में पाकिस्तानी सेना का एक अधिकारी और पांच जवान शहीद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बलूचिस्तान। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में सेना की एक गाड़ी को आईईडी धमाके में उड़ा दिया गया। इस हमले में एक मेजर और पांच जवान शहीद हो गए। पाकिस्तानी आर्मी के प्रवक्ता की ओर से बताया गया कि पट्रोलिंग करके लौट रहे इन जवानों की कार को रिमोट के जरिए आईईडी बम से उड़ा दिया गया। ये जवान पाकिस्तान की फ्रंटीयर कॉर्प्स साउथ बलूचिस्तान का हिस्सा थे। पाकिस्तानी आर्मी के मुताबिक, ये जवान पाकिस्तान–ईरान सीमा से 14 किलोमीटर दूर बेलुदा से पट्रोलिंग करके लौट रहे थे। इनको आशंका थी कि आतंकी मकरान की पहाड़ियों के रास्तों का इस्तेमाल करके पाकिस्तान में घुस रहे हैं। इलाके की छानबीन करने के बाद ये जवान लौट ही रहे थे कि इनकी कार को निशाना बनाकर उड़ा दिया गया। हमले में मारे गए जवानों की पहचान मेजर नदीम, नायक जमशेद, लांस नायक खिजर हयात, लांस नायक तैमूर, सिपाही नदीम और सिपाही साजिद के रूप में हुई है।

नेपाल में कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 109 हुई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। नेपाल में कोरोना वायरस के सात नए मामले सामने आए हैं जिससे देश में संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़कर 109 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। नेपाल उन देशों में शामिल हैं जहां जानलेवा कोरोना वायरस के मामलों की संख्या कम है। नए मामलों में तीन महिलाएं और चार पुरुष हैं जिनकी उम्र 17 से 65 वर्ष के बीच है। महिलाएं उदयपुर जिले से हैं जबकि तीन पुरुष कपिलवस्तु जिले के और एक परसा जिले का है। मंत्रालय ने कहा कि देश में अब संक्रमण के मामलों की संख्या 109 तक पहुंच गई है। इसने बताया कि अब तक इस बीमारी से 30 लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

भारत को अफगानिस्तान के तालिबानी चक्रव्यूह में क्यों फंसा रहा है अमेरिका?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अफगानिस्तान में अपने हजारों सैनिकों की कुर्बानी देने और अरबों डॉलर स्वाहा करने के बाद अमेरिका कुछ खास हासिल नहीं कर पाया है। अब वह चाहता है कि भारत अफगानिस्तान की आंतरिक राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल हो। सूत्रों के मुताबिक अमेरिका के विशेष दूत जेड खालिजाद और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बीच हाल में नई दिल्ली में इस बारे में बात हुई थी। इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश सचिव हर्ष शृंगला भी शामिल हुए। सूत्रों का कहना है कि खालिजाद आनन–फानन में कुछ घंटों के लिए दिल्ली आए थे। वह बाद में भी आ सकते थे लेकिन उन्होंने इसी वक्त आना मुनासिब समझा। अफगानिस्तान में अलग–अलग गुटों के बीच चल रही शांति वार्ता की डोर कभी भी टूट सकती है। कोरोना काल में अफगान सरकार के बीच भी राजनीतिक गतिरोध है और तालिबान की ओर से हिंसा में तेजी आई है। इन घटनाओं से देश में अराजकता बढ़ गई है।

यूएस से निपटने को 1000 परमाणु बम की जरूरत होगी

विशेषज्ञों ने चीन को किया आगाह

सलाह

■परमाणु मुखास्त्रों की संख्या बढ़ानी चाहिए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। साउथ चाइना सी में अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच चीन को विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि उसे परमाणु मुखास्त्रों की संख्या बढ़ानी चाहिए। विशेषज्ञों ने अमेरिकी सेना के हमले से बचने के लिए एच–20 स्ट्रैटेजिक स्टील्थ बॉमर और बलिस्टिक मिसाइल लॉन्च करने वाले जेएल–3 सबमरीन की जरूरत पर जोर दिया है।

चीन की सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका, साउथ चाइना सी, ईस्ट चाइना सी और ताइवान स्ट्रेट में हर तरह के वॉरशिप और वॉरप्लेन भेजकर पेइचिंग पर दबाव बना रहा है। अखबार के संपादक हू शिजिन ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका से निपटने के लिए चीन को अपने परमाणु मुखास्त्रों की संख्या बढ़ाकर 1000

करनी होगी।

अमेरिकी शिप के अभ्यास से डरा चीनः अखबार ने रॉयटर्स की रिपोर्ट के हवाले कहा है कि पेंटागन, चीनी मिलिटरी की गतिविधि को रोकने के लिए साउथ चाइना सी में तोमहॉक क्रूज मिसाइल तैनात करने जा रहा है। 1 मई से ही अमेरिका ने ईस्ट चाइना सी में तीन बार बी–1बी स्ट्रैटेजिक बॉमर भेजा है। वहीं, अमेरिका के परमाणु क्षमता संपन्न एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसए थियोडोर रूजवेल्ट और यूएसएस अमेरिका ऐम्बिबियस असॉल्ट शिप ने 15 मार्च को साउथ चाइना सी में अभ्यास किया है।

कोरोना वायरस महामारी के बीच चीनी विशेषज्ञ सॉन्ग झॉन्गपिंग ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका चीन पर दबाव डाल रहा है और उसे धमका भी रहा है। अमेरिका बैटलफील्ड पर परमाणु हथियार तैनात कर रहा है, इसलिए चीन को अपने परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ानी होगी।

चीन की नो फर्स्ट यूज पॉलिसी

क्या चीन और परमाणु मुखास्त्र और डीएफ–41 मिसाइल तैयार करेगा? और क्या चीन अमेरिका के साथ हथियारों से संबंधित संधि करेगा? इस सवाल पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनिंग ने शुक्रवार को कहा कि बड़े देशों को जिम्मेदारी को महत्व देना चाहिए और रणनीतिक परमाणु हथियारों को घटाने पर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन हमेशा से नो फर्स्ट यूज पॉलिसी पर यकीन करता रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, यह बिना वैक्सीन के ही चला जाएगा। यह जाएगा और हम इसे दोबारा नहीं देखेंगे। आप थोड़े नाराज हो सकते हैं। उन्होंने यहां तक दावा किया कि दुनिया में ऐसी और बीमारियां आईं और बिना वैक्सीन खत्म हो गईं। ट्रंप ने कहा, यहां कुछ वायरस और फ्लू हैं जो आए। वे दोबारा नहीं आए।

ट्रंप की बेटी इवांका की निजी सहायक को भी कोरोना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप की निजी सहायक कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। इसके साथ ही वाइट हाउस में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या तीन हो गई है। हालांकि, वह कुछ सप्ताह से इवांका के आसपास नहीं देखी गई हैं। वह दो महीने से दूर रहकर ही काम कर रही थीं और एहतियात के तौर पर उनका टेस्ट कराया गया था। उनमें शुरुआत में कोई लक्षण नहीं थे। उधर, इवांका और उनके पति जेरेड कुशनर का टेस्ट कराया गया जो कि निगेटिव आया है। उल्लेखनीय है कि इसके ठीक एक दिन पहले ही वाइस प्रेजिडेंट माइक प्रेस की प्रेस सेक्रटरी कैटी मिलर को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। ट्रंप ने उन्हें बेहतरीन युवा महिला बताते हुआ कहा था कि वह पहले बिल्कुल ठीक थीं और अचानक पॉजिटिव पाई गईं। वहीं, बेटी इवांका की निजी सहायक की बीमारी की खबर पर ट्रंप ने कहा कि वह अब खुद अपना नियमित टेस्ट कराएंगे।

वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, मिलर के पॉजिटिव पाए जाने के बाद वाइट हाउस में और लोगों का भी टेस्ट किया गया। वाइट हाउस यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी स्टाफ ने मास्क पहन रखी हो।

भारत ने गिलगिट-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद पर जताया हक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। गिलगित–बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद को भारतीय मौसम विभाग ने अपने बुलेटिन में शामिल किया है। इसका मतलब साफ है कि भारत इन इलाकों को अपना अभिन्न अंग मानता है। भारत के इस कदम से बौखलाए पाकिस्तान ने अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) प्रस्तावों का उल्लंघन बताया है। पाकिस्तान ने इसे भारत का गैरजिम्मेदाराना कदम बताते हुए इस दावे को सिरे से नकारा है। हालांकि, भारत ने पहले ही दो टूक कह दिया था कि पाकिस्तान उन इलाकों पर अपना हक ना जताए, जो उसने अवैध तरीकों से और जबरन कब्जा कर लिया है।

अक्टूबर में बंद था वुहान का हाई सिक्यॉरिटी लैब, हुई थी कोई भयानक घटना: रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण चीन के वायरोलॉजी इंस्टिट्यूट इंस्टिट्यूट पर सबकी नजर है और इसकी वजह यह कि अमेरिका को ऐसा शक है कि कोविड19 महामारी यहीं से फैली है। वहीं, अब ऐसा दावा किया जा रहा है कि चीन के वुहान में मौजूद हाई–सिक्यॉरिटी लैब को अक्टूबर में बंद कर दिया गया था।

एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसी इससे संबंधित दस्तावेंजों की समीक्षा कर रही हैं। एनबीसी के लंदन मौजूद यूनिट ने दावा किया कि चीन के वुहान

यह लैब अक्टूबर में घटना के बाद बंद कर दिया गया था

इंस्टिट्यूट ऑफ वायरलोजी के हाई सिक्यॉरिटी एरिया में 7 से 24 अक्टूबर 2019 के बीच तक कोई फोन ऐक्टिविटी नहीं देखी गई। सेलफोन लोकेशन के डेटा के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की गई है जिसमें यह संकेत मिले हैं कि 6 से 11 अक्टूबर के बीच उस इलाके में संभवतः जोखिम भरा इवेंट हुआ है। हालांकि, लैब के पूरी तरह से बंद किए जाने के सबूत नहीं मिले हैं और न ही कोरोना वायरस के वहां से उत्पन्न होने के सबूत मिले हैं। वहीं, कोई सबूत न मिलने के बावजूद ट्रंप प्रशासन के अधिकारी यह मानकर बैठे हैं

कि वुहान लैब से कोरोना वायरस निकला है।

डॉक्यूमेंट से ऐसा संकेत मिलता है कि लैब में अगर हाई सिक्यॉरिटी एरिया बंद कर दिया गया था तो हो सकता है कि कोरोना वायरस दुर्घटनावश लैब से ही निकला हो, जहां चमगादड़ों पर रिसर्च किया जा रहा था। दस्तावेज में यह भी कहा गया है कि कोरोना वायरस दरअसल दिसंबर नहीं बल्कि और पहले फैला होगा।

डोनाल्ड ट्रंप का दावा, बिना वैक्सीन ही खत्म हो जाएगा कोरोना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना वायरस बिना किसी वैक्सीन के चला जाएगा और कहा कि अमेरिका महानता की तरफ बढ़ रहा है। दरअसल, उन्होंने ये बातें वाइट हाउस में अपनी पार्टी रिपब्लिकन के सांसदों से बातचीत के दौरान कहीं। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया जब अमेरिका में ग्रेट डिप्रेशन के बाद बेरोजगारी दर सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है और अब तक कोरोना से 76 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जब उनसे पत्रकारों ने इस दौरान पूछा कि इस दावे से उनका क्या मतलब है, क्या उनका यह कहना है कि वैक्सीन की जरूरत नहीं है? इस पर ट्रंप ने कहा, श्मैं सिर्फ डॉक्टरों की बात पर भरोसा करता हूं। वे कह रहे हैं कि ऐसा होने वाला है। इसका मतलब यह नहीं कि इसी साल, इसका मतलब यह नहीं कि वे जा रहे हैं। लेकिन अंततः वे चले जाएंगे। जहां तक वैक्सीन का सवाल है, अगर हमारे पास यह होता तो ज्यादा मददगार साबित होता।